Revised syllabus – CBCS system

From Academic Session 2018-2019

Hindi (Hons.)

B.A. (Hons.): 1st Semester

Course Code/Course Type	Course Title	Marks
DSC-1	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)	75
DSC-2	हिंदी कविता (आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता)	75
GE-1	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र	75
AECC-1	Environmental studies	100
	कुल	325

B.A. (Hons): 2nd Semester

DSC-3	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	75
DSC-4	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	75
GE-2	पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य	75
AECC-2	English/ MIL	50
	कुल	275

B.A. (Hons): 3rd Semester

DSC-5	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा	75
DSC-6	छायावादोत्तर हिंदी कविता	75
DSC-7	प्रयोजनमूलक हिंदी	75
GE-3	Any one to be chosen	75
	संपादन प्रक्रिया और साज–सज्जा	
	हिंदी पत्रकारिता	
SEC-1	Any one to be chosen	75
	हिंदी भाषा शिक्षण	
	विज्ञापनः अवधारणा एवं स्वरूप	
	कुल	375

B.A. (Hons): 4th Semester

DSC-8	हिंदी नाटक एवं एकांकी	75
DSC-9	हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं	75
DSC-10	हिंदी आलोचना	75
GE-4	Any one to be chosen आधुनिक भारतीय साहित्य कला और साहित्य	75
SEC-2	Any one to be chosen अनुवादः सिद्धांत एवं प्रविधि रचनात्मक लेखन	75
	कुल	375

B.A. (Hons): 5th Semester

DSC-11	हिंदी कहानी	75
DSC-12	हिंदी उपन्यास	75
DSE-1	अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य	75
DSE-2	प्रेमचंद	75
	कुल	300

B.A. (Hons): 6th Semester

DSC-13	भारतीय काव्यशास्त्र	75
DSC-14	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	75
DSE-3	छायावाद	75
DSE-4	राष्ट्रीय काव्यधारा	75
	कुल	300

Total Semester: 06

Total Paper : 26

Total Marks : 1950

(प्रत्येक कोर पत्र में लिखित परीक्षा के लिए 60 अंक, सतत् मूल्यांकन के लिए 10 अंक एवं कक्षा में उपस्थिति के लिए 5 अंक निर्धारित है।)

Revised syllabus – CBCS system

From Academic Session 2018-2019

B.A. (Programme) Hindi

B.A. (Programme): 1st Semester

Course code/Course type	Course title	Marks
DSC-1	हिंदी साहित्य का इतिहास (संपूर्ण)	75
DSC-2	Discipline – 2	
	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	75
LCC-1	MIL-1 हिंदी भाषा और साहित्य	75
AECC-1 (Elective)	Environmental Studies	100
	कुल	325

B.A. (Programme): 2nd Semester

DSC-3	मध्यकालीन हिंदी कविता	75
DSC-4	Discipline – 2	
	हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा	75
LCC-2	English – 1	75
AECC-2 (Elective) for others) हिंदी व्याकरण और संप्रेषण	English/ MIL (Hindi Communication	50
	कुल	275

B.A. (Programme): 3rd Semester

DSC-5	आधुनिक हिंदी कविता	75
DSC-6	छायावादोत्तर हिंदी कविता	75
SEC-1	any one to be chosen	
	हिंदी भाषा शिक्षण	75
	विज्ञापन : आवधारणा, निर्माण एवं प्रयोग	
LCC-2	MIL- II	
	हिंदी भाषा और संप्रेषण	75
	कुल	300

B.A. (Programme) : 4th Semester

DSC-7	हिंदी गद्य साहित्य	75
DSC-8	हिंदी निबंध	75
SEC-2	any one to be chosen	75
	अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रविधि	
	रचनात्मक लेखन	
AECC-4 (Core)	English-II	75
	कुल	300

B.A. (Programme) : 5th Semester

DSE-1	Any one from two :-	75
	प्रयोजनपरक हिंदी	
	कबीरदास	
DSE-2	DSE Group – A	75
	Any one:	
	पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य	
	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र	
GE-1	Group – B	75
	Any one	
	संपादन प्रक्रिया और साज–सज्जा	
	हिंदी पत्रकारिता	
	Group – C	
SEC- 3	Any one	75
	भाषा शिक्षण	
	चलचित्र लेखन	
	कुल	300

B.A. (Programme): 6th Semester

DSE-3		Any one from two	75
		हिंदी रेखाचित्र	
		हिंदी संस्मरण साहित्य	
DSE-4	Group – D		
		Any one from two	75
		हिंदी नाटक	
		हिंदी कहानी	
		Discipline – 2	
		Group – E	
GE-2		Any one	
		आधुनिक भारतीय साहित्य	
		कला और साहित्य	75
SEC		Group – F	
SEC-4		Any one	75
		अनुवाद–विज्ञान	
		संभाषण कला	
		कुल	300

Total Semester : 6

Total Paper : 2400

Total Marks : 1800

(प्रत्येक कोर पत्र में लिखित परीक्षा के लिए 60 अंक, सतत् मूल्यांकन के लिए 10 अंक एवं कक्षा में उपस्थिति के लिए 5 अंक निर्धारित है।)

Credit details of the course of B.A. Hindi Hons. programme under CBCS			
Sl. No.	Course	Credit Theory + Tutorial	Total
1.	Core course (14 courses)	(14X5)+(14X1)	84
2.	Elective Course (8 Courses)		
2.A	DSE (4 Courses)	(4X5)+(4X1)	24
2.B	GE (4 Courses)	(4x5)+(4x1)	24
3.	Ability Enhancement courses		
3A	AECC-1 (ENVS)	(2X1)	2
	AECC-2 (Com.Eng/MIL)	(2X2)	2
3.B	SEC (2 Courses of 2 Credits each)	(2x2)	4
	Total credit		140

Credit details of the course of B.A. Hindi programme course under CBCS			
Sl. No.	Course	Credit Theory + Tutorial	Total
1.	DSC course (12 courses)	(12X5)+(12X1)	72
2.	Elective Course (6 Courses)		
2.A	DSE (4 Courses)	(4X5)+(4X1)	24
2.B	GE (4 Courses)	(2x5)+(2x1)	12
3.	Ability Enhancement courses		
3A	AECC-1	(1X2)	2
	AECC-2	(1X2)	2
3.B	SEC (4 Courses)	(4x2)	8
Total credit			120

Question pattern:

For 6o Marks				
S.L. No.	Questions to	Out of	Marks of each	Total Marks
	be answered		Question	
1.	4	6	3	4x3=12
2.	4	6	6	4x6=24
3.	2	4	12	2x12=24

Total marks distribution			
Examination	Duration of Exams	Course	Duration of Examination
Semester End Examination	2 hours	60	2 hours
Continuing Evaluation (Dissertation/project, Seminar presentation)		10	
Attendance		5	
Total		75	

Hindi (Hons)

1st SEMESTER

DSC-1   हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

ल : समय सीमा निर्धारण एवं नामकरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक साहित्य

भक्तिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य

रीतिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

हिंदी गद्य का विकास : आदिकाल से रीतिकाल तक

DSC-2   3. आदिकालीन और मध्यकालीन हिंदी कविता

विद्यापति – सैसव जौवन दरसन (पद सं. 5), अविरल नयन (55)

कबीर – राम नाम के पटंतरै, हंसि–हंसि कंत न पाइयै, कायर बहुत पमादही, भगति दुहेली राम की

जायसी – मानसरोदक खंड (पद्मावत) – (आरम्भ से दोहा संख्या 2 तक)

सूरदास – जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहैं, जसोदा मदन गोपाल सुवावै

तुलसीदास – ऐसी मूढ़ता या मन की, कबहुंक हौं (विनय पत्रिका)

मीराबाई – जोगिया सूं प्रीत, पायोजीं म्हें तो राम रतन धन

बिहारी – तंत्री नाद कवित्त रस, या अनुरागी चित्त की, स्वारथ सुकृत न श्रम, चिरजीवौ जोरी

घनानंद – झलके अति सुंदर आनन गौर, पहिलें अपनाय सुजान

GE-1   सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

रिपोर्ताज : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन–प्रविधि।

फीचर लेखन : विषय–चयन, सामग्री निर्धारण, लेखन–प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।

साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार–प्रविधि, महत्त्व।

बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।

2nd Semester

DSC-3 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- आधुनिक काल : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
  - हिंदी नवजागरण
  - भारतेन्दु युग
  - द्विवेदी युग
  - छायावाद
  - प्रगतिवाद
  - प्रयोगवाद
  - नयी कविता
  - समकालीन कविता
- हिंदी गद्य का विकास :
  - स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य
  - स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य

DSC-4 आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

भारतेन्दु – नये जमाने की मुकरी, चूरनवाले का गीत

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' – प्रियप्रवास (अंतिम सर्ग)

मैथिलीशरण गुप्त – यशोधरा – प्रथम खंड संपूर्ण (छंद सं.–1–9)

रामनरेश त्रिपाठी – अस्तोदय की वीणा, पुष्प विकास

जयशंकर प्रसाद – आह! वेदना मिली विदाई, पेशोला की प्रतिध्वनि

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – भारती वंदना, ध्वनि

सुमित्रानंदन पंत – द्रुत झरो, चांदनी

महादेवी वर्मा – यह मंदिर का दीप, सब आँखों के

GE-2 पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन और हिंदी साहित्य

अभिव्यंजनावाद

स्वच्छंदतावाद

अस्तित्ववाद

मनोविश्लेषणवाद

मार्क्सवाद

आधुनिकतावाद

कल्पना, बिंब, फैंटेसी

मिथक और प्रतीक।

AECC-2 हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण (MIL)

हिंदी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण।

सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्त्व।

सम्प्रेषण के प्रकार।

साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन।

3rd Semester

DSC-5 भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।

भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बंध।

स्वनिम विज्ञान : परिभाषा, स्वन, वागीन्द्रियां। स्वन परिवर्तन के कारण।

रूपिम विज्ञान : शब्द और रूप (पद) , पद विभाग – नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।

वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य के प्रकार।

अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ का सम्बंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं।

राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी।

देवनागरी लिपि की विशेषताएं।

DSC-6 छायावादोत्तर हिंदी कविता

केदारनाथ अग्रवाल – आज नदी बिल्कुल उदास थी, पैतृक संपति

नागार्जुन – प्रतिबद्ध हूँ, यह तुम थी

रामधारी सिंह 'दिनकर' – समर शेष है, तुम क्यों लिखते हो

माखनलाल चतुर्वेदी – कैदी और कोकिला, उलाहना

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' – मैंने आहुति बनकर देखा, सोन मछली

भवानीप्रसाद मिश्र – टूटने का सुख, बूंद टपकी

रघुवीर सहाय – स्वाधीन व्यक्ति, कविता

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – कुआनो नदी, तुम्हारे साथ रहकर

DSC-7 प्रयोजनमूलक हिंदी

मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी, संपर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी।

हिंदी की शैलियां : हिंदी, उर्दू और हिंदुस्तानी।

हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास।

हिंदी का मानकीकरण।

हिंदी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता–प्रकार और शैली।

प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण।

भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा–लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र–लेखन।

हिंदी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति।

GE-3 संपादन प्रक्रिया और साज–सज्जा

संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्त्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, सम्पादन–कला के सामान्य सिद्धांत।

समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक–लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और सम्पादन। सम्पादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका। प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।

सम्पादकीय लेखन : प्रमुख तत्त्व एवं प्रविधि। सम्पादकीय का सामाजिक प्रभाव।

समाचार पत्र एवं पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजना और उनका सम्पादन। साहित्य और कला जगत की सामग्री के सम्पादन की विशेषताएं। छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का सम्पादन।

GE-3 हिंदी पत्रकारिता

पत्रकारिताः अर्थ, अवधारणा और महत्त्व

हिंदी पत्रकारिता के विभिन्न चरण – स्वतंत्रता पूर्व युग, स्वातंत्र्योत्तर युग : परिचय और प्रवृत्तियां

पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका

महत्त्वपूर्ण पत्र–पत्रिकाएं : बनारस अखबार, सरस्वती, कर्मवीर, हंस।

SEC-1 हिंदी भाषा शिक्षण

- भाषा शिक्षण के संदर्भ : राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक।
- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं

  – प्रथम भाषा/मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना

  – अन्य भाषा के अंतर्गत द्वितीय तथा विदेशी भाषा की संकल्पना

  – मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर

- भाषा शिक्षण की विधियां

  – भाषा कौशल – श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन।

  – भाषा का कौशल के रूप में शिक्षण : भाषा कौशलों के विकास की तकनीक और अभ्यास

  – अन्य भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियां : व्याकरण–अनुवाद–विधि, प्रत्यक्ष विधि, मौखिक वार्तालाप विधि, संरचनात्मक विधि, द्विभाषिक शिक्षण विधि।

- हिंदी शिक्षण :

  – हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण : स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, तकनीकी तथा विशिष्ट प्रयोजन संदर्भित शिक्षा।

  – द्वितीय भाषा के रूप में सजातीय और विजातीय भाषा वर्गों के संदर्भ में हिंदी शिक्षण

  – विदेशी भाषा के रूप में विदेशों में हिंदी शिक्षण।

SEC-1 विज्ञापन : अवधारणा एवं स्वरूप

विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व। विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार, विचारधाराएं, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ। विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धांत।

विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन। विज्ञापन अभियान–योजना और कार्यान्वयन : स्थिति सम्बंधी विश्लेषण, रणनीति, ब्रैंड इमेज। उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान में माध्यम योजना (मीडिया प्लानिंग) की भूमिका।

विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम। विज्ञापन एजेंसी का प्रबंध। हिंदी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेंसियों का परिचय। विज्ञापन : कानून और आचार संहिता।

विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन। अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धांत और अभिविन्यास (ले आउट)।

4th Semester

DSC-8 हिंदी नाटक एवं एकांकी

नाटक

अंधेर नगरी	: भारतेंदु हरिश्चंद्र
चंद्रगुप्त	: जयशंकर प्रसाद

एकांकी

औरंगजेब की आखिरी रात	: रामकुमार वर्मा
अधिकार का रक्षक	: उपेन्द्रनाथ अश्क
और वह जा न सकी	: विष्णु प्रभाकर
भोर का तारा	: जगदीश चंद्र माथुर

DSC-9 हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं

रामचंद्र शुक्ल	: काव्य में लोकमंगल
हजारी प्रसाद द्विवेदी	: नाखून क्यों बढ़ते हैं
शिवपूजन सहाय	: महाकवि जयशंकर प्रसाद
रामवृक्ष बेनीपुरी	: रजिया
माखनलाल चतुर्वेदी	: तुम्हारी स्मृति
अज्ञेय	: सागर कन्या और खग–शावक
महादेवी वर्मा	: घर और बाहर – 1,2,3
हरिशंकर परसाई	: इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर

DSC-10 हिंदी आलोचना

- हिंदी आलोचना की परम्परा और विकास। भारतेंदुयुगीन आलोचना– प्रवृत्तियां और प्रतिनिधि आलोचक।
- द्विवेदीयुगीन आलोचना – प्रवृत्तियां और प्रतिनिधि आलोचक।
- शुक्लयुगीन आलोचना – प्रवृत्तियां और प्रतिनिधि आलोचक।
- आलोचना दृष्टि : रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, अज्ञेय, मुक्तिबोध।

GE-4 आधुनिक भारतीय साहित्य

स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव।

भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता।

आनंद मठ – बंकिम चंद्र।

सुब्रमण्यम भारती की कविताएं – यह है भारत देश हमारा, वंदे मातरम, निर्भय, आजादी का एक पल्लू।

GE-4 कला और साहित्य

कला और साहित्य का अंतस्संबंध

कला और समाज का अंतस्संबंध

कला में दीर्घजीविता के तत्व और उपकरण

भारतीय कला का विकास

भारतीय कला का सौन्दर्यशास्त्रीय महत्त्व

कला और हिंदी साहित्य के सम्बंध की परम्परा

लोक–कला और साहित्य

साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्त्व।

SEC-2 अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि

अनुवाद का अर्थ, स्वरूप और प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता और महत्त्व। बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।

अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। अनुवाद प्रक्रिया के तीन चरण –विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष–पाठक की भूमिका ,(अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थातंरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया)

कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3(3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर) /ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/ कार्यालय आदेश/ अधिसूचना/संकल्प–प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/निविदा–संविदा/विज्ञापन।

पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धांत, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिंदी रूप।

SEC-2 रचनात्मक लेखन

रचनात्मक लेखन : स्वरूप एवं सिद्धांत

भाषा एवं विचार की रचना में रूपान्तरण की प्रक्रिया

विविध अभिव्यक्ति–क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियां

जन भाषा और लोकप्रिय संस्कृति

लेखन के विविध रूप, : मौखिक–लिखित, गद्य–पद्य, कथात्मक–कथेतर, नाट्य–पाठ्य

रचनात्मक लेखन : रचना–कौशल–विश्लेषण

रचना–सौष्ठव : शब्द–शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वक्रताएं

विविध विद्याओं की आधारभूत रचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

क. कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा–सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक

ख. कथासाहित्य : वस्तु, पात्र परिवेश और विमर्श

ग. नाट्यसाहित्य : वस्तु, पात्र परिवेश और रंगकर्म

घ. विविध गद्य–विद्याएं : निबंध, संस्मरण और व्यंग्य

ड. बाल साहित्य की आधारभूत संरचना

सूचना तंत्र के लिये लेखन

प्रिंट माध्यम : फीचर लेखन, यात्रा वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक–समीक्षा

इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन

5th Semester

DSC-11 हिंदी कहानी

उसने कहा था	: चंद्रधर शर्मा गुलेरी
पूस की रात	: प्रेमचंद
आकाशदीप	: जयशंकर प्रसाद
पाजेब	: जैनेन्द्र कुमार
तीसरी कसम	: फणीश्वरनाथ 'रेणु'
मलबे का मालिक	: मोहन राकेश
परिंदे	: निर्मल वर्मा
ऐ लड़की	: कृष्णा सोबती

DSC-12 हिंदी उपन्यास

गबन – प्रेमचंद

त्यागपत्र – जैनेन्द्र कुमार

चित्रलेखा – भगवती चरण वर्मा

महाभोज – मन्नू भंडारी

DSE-1 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

विमर्शों की सैद्धांतिकी :

क. दलित विमर्श : अवधारणा और आन्दोलन, फुले और अम्बेडकर

ख. स्त्री विमर्श : अवधारणा और मुक्ति आन्दोलन (पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ)

ग. आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आन्दोलन

विमर्शमूलक कथा साहित्य

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि – सलाम
2. हरिराम मीणा – धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या :158–167
3. नासिरा शर्मा – खुदा की वापसी

विमर्शमूलक कविता :

क. दलित कविता : अछूतानंद (दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे) नगीना सिंह (कितनी व्यथा)

ख. स्त्री कविता : कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चम्पा, सविता सिंह : मैं किसकी औरत हूँ।

विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएं :

तुलसीराम : मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ, पृष्ठ संख्या 125 से 135)

महादेवी वर्मा : स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न

DSE-2 प्रेमचंद

उपन्यास – सेवासदन

नाटक – कर्बला

निबंध – साहित्य का उद्देश्य

कहानियां – ईदगाह, दो बैलों की कथा, मुक्तिमार्ग, नमक का दरोगा, शतरंज के खिलाड़ी।

6th semester

DSC-13 भारतीय काव्यशास्त्र

काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन,काव्य के प्रकार।

रस सिद्धांत, रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण ।

ध्वनि सिद्धांत – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण।

अलंकार सिद्धांत – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण।

DSC-14 पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्लेटो – काव्य सम्बंधी मान्यताएँ।

अरस्तू – अनुकृति एवं विरेचन।

लोंजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा।

वर्ड्सवर्थ – काव्य भाषा का सिद्धांत।

टी. एस. एलियट – परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।

आई. ए. रिचर्डस – मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेषण सिद्धांत।

शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान।

आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, संरचनावाद।

DSE-3 छायावाद

जयशंकर प्रसाद – वे कुछ दिन, अरी वरुणा की शांत कछार, अब जागो जीवन के प्रभात

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – राजे ने, खुला आसमान, जय तुम्हारी

सुमित्रानंदन पंत – ताज, ग्राम देवता, परिवर्तन

महादेवी वर्मा – कौन तुम मेरे ह्दय में, हे चिर महान, मैं नीर भरी दुख की बदली।

DSE-4 राष्ट्रीय काव्यधारा

मैथिलीशरण गुप्त – कैकेयी का अनुताप, हम कौन थे, प्रियतम तुम श्रुति पथ से

माखनलाल चतुर्वेदी – पुष्प की अभिलाषा, कैदी और कोकिला

बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' – कवि कुछ ऐसी तान, पराजित का गीत, हम अनिकेतन

रामधारी सिंह 'दिनकर' – विपथगा, हिमालय, दिल्ली

(प्रत्येक कोर पत्र में लिखित परीक्षा के लिए 60 अंक, सतत् मूल्यांकन के लिए 10 अंक एवं कक्षा में उपस्थिति के लिए 5 अंक निर्धारित है।)

REVISED SYLLABUS OF CBCS (HINDI)

B.A. (PROGRAMME) HINDI

CORE COURSE (CC)

1st Semester

DSC-1 हिंदी साहित्य का इतिहास (सम्पूर्ण)

- काल विभाजन और नामकरण, आदिकालीन काव्य धाराएं – सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य, आदिकालीन हिंदी की सामान्य विशेषताएं।
- भक्ति आन्दोलन : सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएं।

  रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त कवि।

- 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिंदी नवजागरण, भारतेन्दु युगीन साहित्य की विशेषताएं, महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।
- हिंदी में गद्य विधाओं का उद्भव और विकास –उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध।

DSC-2 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

कविताएं

1. जुही की कली
2. जागो फिर एक बार : 2
3. बादल–राग – 6
4. वर दे वीणा वादिनी वर दे!
5. तोड़ती पत्थर
6. गहन है यह अंधकारा

कथा साहित्य – बिल्लेसुर बकरिहा।

LCC-1 हिंदी भाषा और साहित्य (MIL-1)

- हिंदी शब्द की व्युत्पत्ति
- हिंदी भाषा की विशेषताएं : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम एवं अव्यय संबंधी।
- हिंदी की वर्ण–व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन तथा इनके प्रकार
- मुहावरे, लोकोक्तियां, विविध प्रकार के पत्र–लेखन

साहित्य :

कविता :

कबीर : सतगुर सवाँन को सगा, राम नाम के पटतरे (गुरुदेव को अंग), सबै रसायन मैं किया (रस को अंग), कबीर मन मधुकर भया (परचा को अंग)

तुलसीदास : बध्यो बधिक पर्‍यो पुन्य जल, हम लखि लखहि हमार लखि, जड़ चेतन गुन दोष..., नहिं जाचत नहिं संग्रही...।

रहीम : रहिमन निजमन की व्यथा..., रहिमन धागा प्रेम का..., रहिमन पानी राखिए..., कदली सीप भुजंग मुख...।

बिहारी : जप माला छापा तिलक..., तंत्री नाद कवित्त–रस..., कहलाने एकत बसत..., कहत नटत रीझत।

आधुनिक कविता :

हिमाद्रि तुंग श्रृंग से (जयशंकर प्रसाद)

ध्वनि (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला')

अकाल और उसके बाद (नागार्जुन)

एक पारिवारिक प्रश्न (केदारनाथ सिंह)

गद्य साहित्य :

दो बैलों की कथा (प्रेमचंद)

गिल्लू (महादेवी वर्मा)

ठेस (फणीश्वर नाथ रेणु)

अधिकार का रक्षक (उपेन्द्रनाथ अश्क)

2nd Semester

DSC-3 मध्यकालीन हिंदी कविता

1. कबीरदास – सतगुरू की महिमा अनंत, बिरहा–बिरहा जिनि कहौं, मेरा मुझमें कुछ नहीं, कबिरा खड़ा बजार में।
2. सूरदास – जा दिन मन पंछी उड़ि जैहैं, जसुमति दौरि लिए हरि कनियां।
3. तुलसीदास – राम–नाम मणि दीप, उत्तम मध्यम नीचगति, ज्ञान कहे अज्ञान बिनु, एक भरोसो एक बल।
4. मीराबाई – राणा जी अब न रहौंगी तेरी हटकी, मेरे तो गिरधर गोपाल
5. रसखान – मानुष हौं तो वही रसखान, या लकुटी अरु कामरिया।
6. बिहारी – बढ़त बढ़त संपति सलिल, बतरस लालच लाल की, कहलाने एकत बसत, दृग उरझत टूटत कुटुम्ब।
7. भूषण – ब्रह्म के आनन तें निकसे, जा पर साहि तनै।
8. घनानंद – पहिले अपनाय सुजान सनेह सौं, झलके अति सुन्दर आनन।

DSC-4 हिंदी की राष्ट्रीय काव्यधारा

1. मैथिलीशरण गुप्त – हम कौन थे (भारत–भारती), प्राचीन हो कि नवीन (38), लाखों हमारे दीन दुखी (59)।
2. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' – विप्लव गायन, फागुन, भिक्षा।
3. रामधारी सिंह 'दिनकर' – परशुराम की प्रतीक्षा, रोटी और स्वाधीनता, आग की भीख।
4. सुभद्रा कुमारी चौहान– झांसी की रानी, सेनानी का स्वागत, लोहे को पानी कर देना।

AECC-2 हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण (MIL)

(Hindi communication for others)

हिंदी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण।

सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्त्व।

सम्प्रेषण के प्रकार।

साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन।

3rd Semester

DSC-5 आधुनिक हिंदी कविता

1. भारतेन्दु हरिश्चंद्र – भारत : अतीत और वर्तमान, अंधेर नगरी का गीत
2. मैथिलीशरण गुप्त – भारत–भारती – छंद संख्या 14 (हे भाइयो ! सोये बहुत), 18(है ज्ञात क्या तुमको नहीं)
3. जयशंकर प्रसाद – अरुण यह मधुमय, तुम कनक किरण के।
4. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – भगवान बुद्ध के प्रति, बादल–राग–1।
5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' – नंदा देवी–6, एक सन्नाटा बुनता हूँ।
6. नागार्जुन – चंदू, मैंने सपना देखा, गुलाबी चूड़ियां।
7. रघुवीर सहाय – मेरा प्रतिनिधि, पीठ।
8. धूमिल – गाँव, रोटी और संसद।

DSC-6 छायावादोत्तर हिंदी कविता

1. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
   - कलगी बाजरे की
   - यह दीप अकेला
2. गजानन माधव मुक्तिबोध
   - भूल गलती
   - विचार आते हैं
3. नागार्जुन
   - अकाल और उसके बाद
   - कालिदास
4. शमशेर बहादुर सिंह
   - सागर–तट
   - वह सलोना जिस्म
5. भवानी प्रसाद मिश्र
   - कमल के फूल
   - गीत फरोश
6. कुँवर नारायण
   - नचिकेता
7. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
   - मैंने कब कहा
   - सौंदर्यबोध
8. केदारनाथ सिंह
   - बाघ–1
   - फर्क नहीं पड़ता

SEC-1 हिंदी भाषा शिक्षण

- भाषा शिक्षण के संदर्भ : राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक।
- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं

– प्रथम भाषा/मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना

– अन्य भाषा के अंतर्गत द्वितीय तथा विदेशी भाषा की संकल्पना

– मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर

- भाषा शिक्षण की विधियां

– भाषा कौशल – श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन।

– भाषा का कौशल के रूप में शिक्षण : भाषा कौशलों के विकास की तकनीक और अभ्यास

– अन्य भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियां : व्याकरण–अनुवाद–विधि, प्रत्यक्ष विधि, मौखिक वार्तालाप विधि, संरचनात्मक विधि, द्विभाषिक शिक्षण विधि।

- हिंदी शिक्षण :

– हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण : स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, तकनीकी तथा विशिष्ट प्रयोजन संदर्भित शिक्षा।

– द्वितीय भाषा के रूप में सजातीय और विजातीय भाषा वर्गों के संदर्भ में हिंदी शिक्षण

– विदेशी भाषा के रूप में विदेशों में हिंदी शिक्षण।

SEC-1 विज्ञापन : अवधारणा एवं स्वरूप

विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व। विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार, विचारधाराएं, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ। विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धांत।

विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन। विज्ञापन अभियान–योजना और कार्यान्वयन : स्थिति सम्बंधी विश्लेषण, रणनीति, ब्रैंड इमेज। उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान में माध्यम योजना (मीडिया प्लानिंग) की भूमिका।

विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य–श्रव्य माध्यम। विज्ञापन एजेंसी का प्रबंध। हिंदी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेंसियों का परिचय। विज्ञापन : कानून और आचार संहिता।

विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन। अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धांत और अभिविन्यास (ले आउट)।

LCC-2 **हिंदी** भाषा **और** सम्प्रेषण (MIL-ll)

भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप

हिंदी भाषा की विशेषताएं : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विश्लेषण एवं अव्यय सम्बंधी।

हिंदी की वर्ण–व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन।

स्वर के प्रकार–ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।

व्यंजन के प्रकार – स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।

बलाघात, संगम, अनुताल तथा संधि।

हिंदी वाक्य रचना, वाक्य एवं उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य का रूपान्तर।

भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।

4th Semester

DSC-7 हिंदी गद्य साहित्य

उपन्यास : सुनीता – जैनेन्द्र कुमार

कहानी : आहुति – प्रेमचंद

वापसी – उषा प्रियंवदा

निबंध : लोभ और प्रीति – रामचंद्र शुक्ल

शिरीष के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी

नाटक : बकरी – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना।

DSC-8 हिंदी निबंध

1. बालकृष्ण भट्ट – साहित्य जनसमूह के ह्दय का विकास है
2. चंद्रधर शर्मा गुलेरी – कछुआ धरम
3. रामचंद्र शुक्ल – मानस की धर्मभूमि
4. महादेवी वर्मा – जीने की कला
5. रामधारी सिंह 'दिनकर' – भारत की सांस्कृतिक एकता
6. हरिशंकर परसाई – निंदारस
7. विद्यानिवास – अस्ति की पुकार हिमालय
8. निर्मल वर्मा – अतीत : एक आत्म–मंथन

SEC-2 अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि

अनुवाद का अर्थ, स्वरूप और प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता और महत्त्व। बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक–सांस्कृतिक आदान–प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।

अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। अनुवाद प्रक्रिया के तीन चरण –विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष–पाठक की भूमिका ,(अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थातंरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया)

कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3(3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर) /ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/ कार्यालय आदेश/ अधिसूचना/संकल्प–प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/निविदा–संविदा/विज्ञापन।

पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धांत, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिंदी रूप।

SEC-2 रचनात्मक लेखन

रचनात्मक लेखन : स्वरूप एवं सिद्धांत

भाषा एवं विचार की रचना में रूपान्तरण की प्रक्रिया

विविध अभिव्यक्ति–क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियां

जन भाषा और लोकप्रिय संस्कृति

लेखन के विविध रूप, : मौखिक–लिखित, गद्य–पद्य, कथात्मक–कथेतर,

नाट्य–पाठ्य

रचनात्मक लेखन : रचना–कौशल–विश्लेषण

रचना–सौष्ठव : शब्द–शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वक्रताएं

विविध विद्याओं की आधारभूत रचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

क. कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा–सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक

ख. कथासाहित्य : वस्तु, पात्र परिवेश और विमर्श

ग. नाट्यसाहित्य : वस्तु, पात्र परिवेश और रंगकर्म

घ. विविध गद्य–विद्याएं : निबंध, संस्मरण और व्यंग्य

ड. बाल साहित्य की आधारभूत संरचना

सूचना तंत्र के लिये लेखन

प्रिंट माध्यम : फीचर लेखन, यात्रा वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक–समीक्षा

इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन

5th Semester

DSE-1 प्रयोजनपरक हिंदी

1. प्रयोजनपरक हिंदी : अवधारणा और विविध क्षेत्र

    प्रयोजनपरक हिंदी के सर्जनात्मक आयाम

2. माध्यम लेखन :
    विविध संचार माध्यम : परिचय एवं कार्यविधि
    श्रव्य माध्यम : रेडियो
    श्रव्य–दृश्य माध्यम : टेलीविजन और फिल्म
    तकनीकी माध्यम : इंटरनेट
    मिश्र माध्यम : विज्ञापन
    समाचार पत्र
3. संचार माध्यमों की प्रकृति और चरित्र
    इंटरनेट : सामग्री–सृजन, संयोजन एवं प्रेषण।
4. अनुवाद :
    अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप और महत्त्व
    अनुवाद के प्रकार

DSE-1 1. कबीरदास

पाठ्य पुस्तक : कबीर ग्रंथावली (सम्पादक–श्यामसुंदर दास) – 20 साखी– गुरुदेव को अंग (आरंभिक 4 साखी), सूरा तन को अंग (आरंभिक 4 साखी), परचा को अंग (आरंभिक 4 साखी), मन को अंग (आरंभिक 4 साखी), माया को अंग (आरम्भिक 4 साखी), एवं 10 पद (आरंभिक)।

DSE – 2 पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य

अभिव्यंजनावाद
स्वच्छंदतावाद
अस्तित्त्ववाद
मनोविश्लेषणवाद
मार्क्सवाद
आधुनिकतावाद
कल्पना, बिंब, फैंटसी
मिथक एवं प्रतीक

DSE-2 सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

रिपोर्ताज : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन–प्रविधि।

फीचर लेखन : विषय–चयन, सामग्री–निर्धारण, लेखन–प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।

साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार–प्रविधि, महत्त्व।

बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।

GE-1 संपादन प्रक्रिया और साज–सज्जा

संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्त्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, सम्पादन–कला के सामान्य सिद्धांत।

समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक–लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और सम्पादन। सम्पादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका। प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।

सम्पादकीय लेखन : प्रमुख तत्त्व एवं प्रविधि। सम्पादकीय का सामाजिक प्रभाव।

समाचार पत्र एवं पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजना और उनका सम्पादन। साहित्य और कला जगत की सामग्री के सम्पादन की विशेषताएं। छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का सम्पादन।

GE-1 हिंदी पत्रकारिता

पत्रकारिताः अर्थ, अवधारणा और महत्त्व

हिंदी पत्रकारिता के विभिन्न चरण – स्वतंत्रता पूर्व युग, स्वातंत्र्योत्तर युग : परिचय और प्रवृत्तियां

पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका

महत्त्वपूर्ण पत्र–पत्रिकाएं : बनारस अखबार, सरस्वती, कर्मवीर, हंस।

SEC-3 भाषा **शिक्षण**

हिंदी भाषा एवं शब्द भंडार – तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज, कृत्रिम।

भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर – प्रारंभिक कक्षाओं में, उच्च शिक्षा संस्थाओं में, हिंदीतर भाषियों, विभाषियों– विदेशों के बीच द्वितीय भाषा रूप में।

भाषा–विज्ञान के मूलाधार– मानक वर्तनी का ज्ञान, शुद्ध वाक्य विन्यास, मानकीकृत देवनागरी लिपि का अभ्यास।

देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य, देवनागरी की वैज्ञानिकता, कम्प्यूटरीकरण की दृष्टि से संक्षेपण, संशोधन की आवश्यकता।

SEC- 3 चलचित्र लेखन

भारतीय सिनेमा का इतिहास।

हिंदी पटकथा लेखन (सिनेरियो) का क्रमिक विकास, संवाद लेखन–प्रणाली या प्रविधि।

रीमेक फिल्मों का भाषिक पक्ष, समकालीन हिंदी फिल्मों की भाषिक संरचना।

वृत्त चित्र की निर्माण पद्धति, फीचर। हिंदी में निर्मित विज्ञापन फिल्में (एड्–फिल्में)।

हिंदी की विश्व व्याप्ति में फिल्मों की भूमिका।

6^{th} Semester

DSE – 3 **हिंदी रेखाचित्र**

शिवपूजन सहाय – महाकवि जयशंकर प्रसाद

बनारसीदास चतुर्वेदी – बाईस वर्ष बाद

हजारी प्रसाद द्विवेदी – एक कुत्ता और एक मैना

महादेवी वर्मा – गिल्लू

DSE-3 **हिंदी संस्मरण साहित्य**

अज्ञेय – स्मरण का स्मृतिकार (राय कृष्णदास)

नगेन्द्र – दादा स्व. पं. बालकृष्ण शर्मा नवीन

माखनलाल चतुर्वेदी –तुम्हारी स्मृति

महादेवी वर्मा – निराला भाई

DSE-4 **हिंदी नाटक**

अंधेर नगरी – भारतेंदु हरिश्चंद्र

चंद्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद

आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश

कोणार्क – जगदीश चंद्र माथुर

DSE-4 **हिंदी कहानी**

उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी

पंचपरमेश्वर – प्रेमचंद

पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद

पाजेब – जैनेन्द्र कुमार

रसप्रिया – फणीश्वर नाथ रेणु

परिंदे – निर्मल वर्मा

दोपहर का भोजन – अमरकांत

पिता – ज्ञानरंजन

GE-2 आधुनिक भारतीय साहित्य

स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव।

भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता।

आनंद मठ – बंकिम चंद्र।

सुब्रमण्यम भारती की कविताएं – यह है भारत देश हमारा, वंदे मातरम, निर्भय, आजादी का एक पल्लू।

GE-2 कला और साहित्य

कला और साहित्य का अंतस्संबंध

कला और समाज का अंतस्संबंध

कला में दीर्घजीविता के तत्व और उपकरण

भारतीय कला का विकास

भारतीय कला का सौन्दर्यशास्त्रीय महत्त्व

कला और हिंदी साहित्य के सम्बंध की परम्परा

लोक–कला और साहित्य

साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्त्व।

SEC-4 अनुवाद विज्ञान

अनुवाद का तात्पर्य, अनुवाद के विभिन्न प्रकार – भाषान्तरण, सारानुवाद तथा रूपान्तरण में साम्य – वैषम्य। अनुवाद के प्रमुख प्रकार–कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान–विज्ञानपरक, विधिक, वाणिज्यिक।

साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख रूप–काव्यानुवाद, कथानुवाद, नाट्यानुवाद।

वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली का अनुवाद, मुहावरों/लोकोक्तियों का अनुवाद, संक्षिप्ताक्षरों तथा कूटपदों का अनुवाद, आंचलिक शब्दावली का अनुवाद, व्यंजनापरक लाक्षणिक पद प्रयोगों का अनुवाद।

हिंदी अनुवाद का भविष्य।

SEC-4 संभाषण कला

संभाषण का अर्थ। संभाषण के विभिन्न रूप–वार्तालाप, व्याख्यान, वाद विवाद, एकालाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन।

संभाषण कला के प्रमुख उपादान – यथेष्ट भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अंतराल ध्वनि (वाल्यूम), वेग, लहजा (एक्सेण्ट)

संभाषण कला के विभिन्न रूप, उद्घोषणा कला (अनाउन्समेंट), आखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग), वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टी. वी.) मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग्य आदि)

वाद–विवाद प्रतियोगिता एवं समूह संवाद।